मस्त मलंग | By Satish Kumar Vaishnav

मस्त मलंग ....मस्त मलंग......
मस्त मलंग ....मस्त मलंग......

आज मस्त मलंग हो जाऊँ
मैया जी तेरी मस्ती में खो जाऊं
मैं तो झुमू झुमू नाचू गाऊं
मैया जी तेरी मस्ती में खो जाऊं

मस्त मलंग ....मस्त मलंग......
मस्त मलंग ....मस्त मलंग......

ढोल बजा के सबको नचा के भेंटें तेरी गाऊं
ऐसा रंग चढ़ा दो मैया ;लाल तेरा कहलाऊँ
भक्ति की शक्ति मैया मेरे दिल में भर जाए
ऐसी कृपा करना तेरे सिवा ना कोई भाये
न भाये, न भाये, न भाये, न भाये

मस्त मलंग ....मस्त मलंग......
मस्त मलंग ....मस्त मलंग......

ये जग माया ना मुझको सताये, ध्यान मेरा तुम रखना
पापों के बंधन से बचाना ऐसी महर माँ करना
कहर कहर कोई कहर कहर कोई कहर कहर ना आये
महर महर तेरी महर महर तेरी महर महर हो जाये
हो जाये , हो जाये , हो जाये, हो जाये

मस्त मलंग ....मस्त मलंग......
मस्त मलंग ....मस्त मलंग......

माँ झंडेवाली माँ खण्डेवाली तेरी लीला न्यारी
वैष्णव महिमा गाये देव और सागर जाए बलिहारी
अब ना कोई रोके मुझको बन जाऊं मस्ताना
तेरा रंग माँ ऐसा चढ़ जाए हो जाऊं दीवाना
दीवाना, दीवाना, दीवाना, दीवाना,

मस्त मलंग ....मस्त मलंग......
मस्त मलंग ....मस्त मलंग......

आज मस्त मलंग हो जाऊँ
मैया जी तेरी मस्ती में खो जाऊं
भवानी तेरी मस्ती में खो जाऊं
मैया जी तेरी मस्ती में खो जाऊं

मस्त मलंग ....मस्त मलंग......
मस्त मलंग ....मस्त मलंग......

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a4%b2%

e0%a4%82%e0%a4%97-by/